प्र.१ टिप्पणियाँ लिखिए (४ में से २) (२०)

१. काव्य हेतु

अथवा

वामन के रीति संबंधी विचार

२. प्लेटो का अनुकरम विवेचन

अथवा

लोंजाइनस के काव्य संबंधी विचार

प्र.२ वक्रोक्ति संप्रदाय सविस्तार समझाइए। (२०)

अथवा

रसनिष्पति समझाते हुए प्रमुख व्याख्यातोओं के मतों की चर्चा कीजिए।

प्र.३ अरस्तू के अनुकरण संबंधी विचार की चर्चा कीजिए। (२०)

अथवा

आइ.ए. रिचर्डस् के काव्य में कल्पना संबंधी विचार पर प्रकाश डालिए।

प्र.४ निम्नलिखित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (२०)

१. रीतिकालीन लक्षणग्रंथों का सामान्य परिचय दीजिए।

२. संरचनात्मक शैली की अवधारणां स्पष्ट कीजिए।

३. शैलीविज्ञान की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

प्र.५ अ. एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (१०)

१. औचित्य से क्या तात्पर्य है ?

२. मम्मट का काव्य प्रयोजन लिखिए।

३. वाक्य रसात्मक काव्यम् से क्या अभिप्राय है ?

४. आ मामह का काव्य लक्षण लिखिए।

५. साधारणीकरण से क्या तात्पर्य है ?

६. रिचर्डस् ने संप्रेषण के लिए किन बातों को आवश्यक माना ?

७. लांजाइनस किस प्रकार की प्रतिभा को मान्यता देते है ?

८. अरस्तू ने 'विस्वेन' का क्या अर्थ किया है?

९. इलियर को 'शील की प्रौढता' से क्या अभिप्राय है?

१०. प्लेटो अनुकरणात्मक कला को अधूरा क्यों मानते है?

ब. सही विकल्प चुनिए। (०५)

१. 'कला मनोरंजन का एक प्रकार है' यह कथन है .....

क. अरस्तू ख. प्लेटो

ग. इलियर घ. रिचर्डस्

२. स्वछंदतावादी समीक्षक इन्हें माना जाता है .....

क. इलियट ख. लैंजाइनस

ग. प्लेटो घ. अरस्तू

३. इलियट के 'क्लासिक' का अर्थे है .....

क. परिपक्वता या प्रौढ़ता ख. कल्पना

ग. परम्परा घ. वस्तुनिष्ठता

४. भरतसूत्र के तीसरे व्याख्याता माने जाते है.....

क. शकुंक ख. भट्टनायक

ग. अभिनवगुप्त घ. भट्टलोलनट

५. इन्होंने शक्ति को ही काव्य का हेतु माना है.....

क. दण्डी ख. राजशेखर

ग. मम्मर घ. भामह

क. जोडे मिलाइए (०५)

अ	ब
ध्वनी संप्रदाय	क्षेमेन्द्र
औचित्य संप्रदाय	भरतमुनि
रीति संप्रदाय	भामह
अलंकार संप्रदाय	वामर्न
रस संप्रदाय	आनंद वर्धन